WELCOME TO

airGurukul

Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth

www.airgurukul.com

Powered by **Prince Edutech Private Limited**

MISSION UPTET 2026
माध्यमिक शिक्षा परिषद
उत्तर प्रदेश
airGurukul
द्रोणाचार्य 1.0 बैच
HINDI
वाक्य
शिक्षक बनने की ज़िद
DAILY LIVE : PM
BY - VIPUL SIR

⚠️ Disclaimer ⚖️

This presentation, lecture, and all related study materials have been created and published by airGurukul Institute for Career Growth, a unit of ***Prince Edutech Private Limited***, for educational and informational purposes only. While every effort has been made to ensure the accuracy and reliability of the content, airGurukul does not guarantee that the information is absolutely current or free from error. Examination patterns, syllabus, and official notifications are subject to change by respective authorities, and students are strongly advised to verify details from official sources before making any decisions.

All third-party materials including logos, questions, references, or data used within this content are solely for educational illustration and fair-use academic discussion. Their ownership and copyrights remain with their respective owners. airGurukul shall not be held liable for any loss, damage, or consequence arising directly or indirectly from the use of this information.

By attending this session, viewing this content, or using the provided materials, the viewer acknowledges and agrees to this disclaimer. Unauthorized recording, copying, or redistribution of this content in any form is strictly prohibited.

वाक्य

वाक्य

- पदों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है।
- वाक्य को भाषा की पूर्णतम इकाई कहा जाता है।

⇒ जैसे- सिमरन पत्र लिखती है।

वाक्य के अंग

→ 02

1. उद्देश्य – कर्ता + कर्ता का विस्तार
2. विधेय – क्रिया + क्रिया का विस्तार

उदाहरण :- राजू जूस बेचता है।

राजू → उद्देश्य

जूस बेचता है → विधेय

वाक्य के भेद

02

1. रचना के आधार पर
   - 03 प्रकार
     - सरल वाक्य
     - मिश्र वाक्य
     - संयुक्त वाक्य

2. अर्थ के आधार पर
   - 08 प्रकार
     - विधान वाचक
     - निषेध वाचक
     - इच्छा वाचक
     - आज्ञा वाचक
     - संदेह वाचक
     - संकेत वाचक
     - प्रश्न वाचक
     - विस्मय वाचक

सरल वाक्य

* जिन वाक्यों में एक उद्देश्य एवं एक विधेय होता है उन्हें सरल वाक्य कहते हैं।

उदाहरण- अपूर्वा खाना बनाती है।

राहुल पत्र लिखता है।

राजीव दवाई देता है।

मिश्रवाक्य

* इसमें एक मुख्य वाक्य तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य होता है।
* इसमें एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर होती है।
* इसमें इनको जोड़ने के लिए निम्न अव्यय का प्रयोग किया जाता है।

जैसे- कि, जोकि, चूंकि, ताकि, मानो
यदि-तो, जब-तब, जो-सो
यद्यपि-तथापि।

उदाहरण- यदि वह पढ़ता तो पास हो जाता।
मीरा ने कहा कि तुम सिर्फ मेरे हो।
मैं जानता हूँ कि तुम मुझे चाहती हो।

संयुक्त वाक्य ✓

* इसमें दो स्वतंत्र वाक्यों को आपस में जोड़ा जाता है।
* इसमें कोई वाक्य आश्रित / निर्भर नहीं होता है।
* इन वाक्यों को जोड़ने के लिए निम्न अव्यय का प्रयोग किया जाता है

जैसे- और, तथा, या, एवं, लेकिन, फिर भी, परन्तु, किन्तु, मगर, इसलिए।

उदाहरण :- वह मुझे चाहती थी फिर भी उसने हाँ नहीं बोला।

मैं मंदिर गया परन्तु भगवान नहीं मिले।

राम पढ़ता है और सुरेश खेलता है

विधान वाचक वाक्य

* इसमें किसी कार्य का होना पाया जाता है।

उदाहरण- गंगा पवित्र नदी है।
विपुल कविता लिखता है।
अनूप क्रिकेट खेलता है।

निषेध वाचक वाक्य :-

* इसमें किसी कार्य का ना होना पाया जाता है।

जैसे- अपूर्व मेरी बात नही मानती है।

बच्चे विद्यालय नही गए।

राजेश खाना नही खाता है।

इच्छा वाचक वाक्य

* इसमें इच्छा, आशीर्वाद, शुभकामना आदि का बोध होता है

जैसे- मुझे रसमलाई खानी है

भगवान तुम्हें दीर्घायु दे।

आपकी यात्रा मंगलमय है

आज्ञा वाचक वाक्य

* इसमें आज्ञा, आदेश, अनुरोध, प्रेरणा एवं विनती का बोध होता है।

जैसे- सुमित तुमको आगरा जाना है।

गरीबों की सहायता करो।

कृपया यहाँ गन्दगी न करो।

संकेत वाचक वाक्य

* इसमें एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर होता है।

उदाहरण :- जब सवेरा हुआ तब हम बाहर आए।

यदि वह खेलेगा तो इनाम मिलेगा।

अगर बारिश होती तो फसल अच्छी होती।

संदेह वाचक वाक्य

=> इसमें क्रिया कार्य के होने में संदेह प्रकट होता है।

उदाहरण- वह पढ़ता होगा।
राधा सो रही होगी।
बच्चे पढ़ रहे होंगे।

प्रश्न वाचक वाक्य

* इसमें प्रश्न पूछने का बोध होता है

उदाहरण- आप क्या करती हो ?
तुमको कौन चाहिए ?
वह कहाँ रहता है ?

विस्मय वाचक वाक्य (!)

⇒ इसमें आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा, प्रेम आदि भाव दर्शाये जाते हैं।

उदाहरण :- अरे! तुमने शादी की हाँ कर दी।

ओहो! आपने तो कमाल कर दिया।

वाह! क्या क्लास हो रही है।

THANK YOU

airGurukul

Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth

www.airgurukul.com

Follow Us |

Powered by **Prince Edutech Private Limited**